

सूचक बिंदु जो हमारे सिर के ठीक ऊपर पड़ता है।

शीर्षरक्ष पुं. (तत्.) शिरस्त्राण, युद्ध आदि में सिर पर पहनने वाला कवच, सिर की रक्षा के लिए लोहे का टोप।

शीर्षरक्षक वि. (तत्.) सिर की रक्षा करने वाला पुं. शिरस्त्राण।

शीर्षरूपक स्त्री. (तत्.) शीर्षरूपक छंद, एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः 2. मगण और 2 गुरु के योग से कुल 7 वर्ण होते हैं।

शीर्षरेखा स्त्री. (तत्.) किसी वर्ण के ऊपर लगाई जाने वाली रेखा या लकीर, देवनागरी लिपि में चिह्नों के ऊपर की लंबी सीधी रेखा।

शीर्षरोम पुं. (तत्.) फर्न नामक पौधे के लम्बे, पतले, काले, चमकदार तने के मुलायम बाल।

शीर्षलंब पुं. (तत्.) 1. त्रिभुज के उच्च कोण से आधार पर पड़ने वाली सरल रेखा, जो आधार पर 90 अंश का कोण बनाती हो 2. किसी भी वस्तु के उच्चतम बिंदु के आधार तक की लम्बवत् ऊँचाई।

शीर्षशोक पुं. (तत्.) सिर की पीड़ा, सिर का दर्द, सिरदर्द, मस्तक पीड़ा।

शीर्षस्थ वि. (तत्.) 1. सिर पर स्थित 2. उच्चतम पद पर आसीन 3. अत्यन्त सम्मानित 4. ऊँचाई की दृष्टि से सब से ऊँचा।

शीर्षस्थान पुं. (तत्.) 1. सब से ऊँचा स्थान 2. आदर की दृष्टि से सब से ऊँचा स्थान, सम्मानित स्थान।

शीर्षस्थानीय वि. (तत्.) 1. सबसे ऊँचे स्थान का 2. आदर-सम्मान की दृष्टि से सब से उच्च स्थान के योग्य।

शीर्षघात पुं. (तत्.) ध्वनि विज्ञान के अनुसार शब्द विशेष के शीर्ष पर पड़ने वाला बल।

शीर्षामय पुं. (तत्.) सिर की कोई भी पीड़ा, किसी भी प्रकार का सिर का दर्द।

शीर्षालंकार पुं. (तत्.) पदार्थ के ऊपर की गई सजावट, पकाए गए व्यंजन के ऊपर की सजावट।

शीर्षासन पुं. (तत्.) योग की एक क्रिया, सिर के बल खड़े होकर टाँगे ऊपर की ओर सीधे करके स्थिर रहने का योगासन।

शीर्षोदय पुं. (तत्.) गणित ज्योतिष के अनुसार वे सात राशियाँ जिन का उदय शीर्ष की ओर से माना जाता है, राशियाँ हैं- मिथुन, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, कुंभ और मीन।

शील पुं. (तत्.) 1. आचरण और व्यवहार की श्रेष्ठता, गुणवान व्यक्तित्व का लक्षण 2. चरित्र, चाल-चलन, विनम्रता, शिष्टता 3. स्त्री की यौन पवित्रता 4. बौद्ध सम्प्रदाय के अनुसार विशेष और निर्दिष्ट आचरण 5. एक समवर्णिक छंद।

शीलक पुं. (तत्.) कान की जड़ का हिस्सा, कर्णमूल।

शीलन पुं. (तत्.) 1. अभ्यास, कसरत 2. व्याख्या, विवेचन 3. प्रवर्तन 4. धारण करना, ग्रहण करना।

शीलभंग पुं. (तत्.) अविवाहिता के साथ किया गया बलात्मक यौन संबंध, बलात् यौन क्रिया से योनिच्छद को भंग करने का कार्य योनि का अक्षत न रहना।

शीलवान् वि. (तत्.) 1. उत्तम और शिष्ट आचरण वाला, विनम्र और चरित्रवान 2. बौद्ध सम्प्रदाय के अनुसार निश्चित शील गुणों का आचरण करने वाला।

शीलसंपदा स्त्री. (तत्.) बौद्ध दर्शन के अनुसार शील रूपी सम्पत्ति, साधको द्वारा, शीलों पर आधारित, व्रतलेकर प्राप्त आध्यात्मिक सम्पत्ति।

शीलित वि. (तत्.) 1. अभ्यास में आया हुआ, धारण किया हुआ, दक्षता युक्त 2. निर्माण किया हुआ, बनाया हुआ, निर्मित।

शीली वि. (तत्.) शीलवान, सदाचार वाला, अच्छे आचरण वाला, शिष्ट गुणों वाला।